



22 परिषद् अनेकांतवाद व्युत्सर्ग  
बारह अनुप्रेक्षा ध्यान स्वाध्याय  
इन्द्रिय विजय दश यति धर्म  
अप्रमत्त पांच महाव्रत कषाय विजय वैयावृत्य  
तिन गुप्ति पंच समिति रस त्याग प्रायश्चित्त विनय  
पर अहिंसा स्व अहिंसा अपरिग्रह अनशन काया क्लेश प्रति संलिनता  
उनोदरी विषय संक्षेप

अहिंसा

संयम

तप

धम्मो मंगलमुक्किक्कट्ठं  
अहिंसा संजमो तवो ।

धर्म वृक्ष

देवा वि तं नमंसंति जस्स  
धम्मो सया मणो । ।

1-1, श्री दसवैकालिक सूत्र